अमृत कलश टाइम्स

http://amritkalashtimes.com

वर्ष : 18
अंक : 118

प्रयागराज सोमवार 13 जनवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

फास्ट न्यूज

स्पाडेक्स मिशन पूरा होने के करीबः इसरो

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो ने रविवार को स्पाडेक्स स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट मिशन की प्रगति पर एक रोमांचक अपडेट देते हुये कहा कि यह एक ऐतिहासिक डॉकिंग घटना के करीब पहुंच गया है।इसरो ने 'एक्स' पर पोस्ट किए गए एक बयान में खुलासा किया, "15 मीटर की दूरी पर हम एक-दूसरे को और अधिक स्पष्ट रूप से देखते हैं, हम रोमांचक 'हैंडशेक' के लिए सिर्फ 50 फीट की दूरी पर हैं।"

पूर्व मंत्री रवींद्र चव्हाण महाराष्ट्र के नये भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

मुंबई। विधायक और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री रवींद्र चव्हाण को तत्काल प्रभाव से भारतीय जनता पार्टी भाजपा की राज्य इकाई का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अधिकारियों ने रविवार को यहां यह जानकारी दी। श्री चव्हाण 54 ठाणे जिले के डोंबिवली से चार बार के विधायक हैं, जिन्होंने राज्य मंत्री के रूप में भी काम किया था और 2022 से 2024 तक कैबिनेट मंत्री थे।

आतिशी ने अपने चुनाव के लिए लोगों से लगाई चंदे की गुहार

नयी दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने अपने विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए लोगों से चंदे की गुहार लगाई। सुश्री आतिशी ने आज संवाददाता सम्मेलन कर कहा कि वह कालकाजी से विधानसभा चुनाव लड़ रही है और इसमें चालीस लाख खर्च करने है। उन्होंने लोगों से चंदे की गुहार लगाते हुए कहा कि गलत तरीके से चुनाव लड़ना आसान है।

दस साल में भाजपा ने झुग्गियों को तोड़कर तीन लाख लोगों को बेघर किया: केजरीवाल

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि पिछले 10 साल में भारतीय जनता पार्टी द्वभाजपाश्र ने कई झुग्गियों को तोड़ा और तीन लाख से अधिक लोगों को बेघर किया। श्री केजरीवाल ने रविवार को यहाँ शकूरबस्ती के रेलवे झुग्गी कैंप का दौरा कर कहा कि जैसे-जैसे दिल्ली विधानसभा का चुनाव नजदीक आता जा रहा है, भाजपा की झुग्गीवालों के प्रति मोहब्बत बढ़ती जा रही है। भाजपा के नेता झुग्गियों में जाकर सो रहे हैं। इससे पहले पांच-दस साल नहीं सोए। पिछले महीने भर से भाजपा के नेता झुग्गियों में जाकर सो रहे हैं।

स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित किया: राष्ट्रपति मुर्मू

● राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने विवेकानंद जयंती पर श्रद्धाजलि अर्पित की

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने रविवार को स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा है कि स्वामी जी ने भारत के लोगों में एक नया आत्मविश्वास का संचार किया और पश्चिम को भारत की आध्यात्मिक शक्ति का एक सशक्त संदेश दिया। सुश्री मुर्मु ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "स्वामी विवेकानन्द को उनकी जयंती पर मेरी विनम्र श्रद्धांजलि। स्वामी जी ने भारत के महान आध्यात्मिक संदेश को पश्चिमी दुनिया तक पहुंचाया। उन्होंने भारत के लोगों में एक नये आत्मविश्वास का संचार किया। स्वामीजी ने युवाओं को अपनी क्षमता उजागर करने, राष्ट्र निर्माण की दिशा में काम करने और मानवता की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। उनकी विरासत दुनिया भर के अनगिनत लोगों को प्रेरित करती रहती है।"राष्ट्रपति ने कहा, मैं स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि देती हूं। स्वामीजी भारत के महान आध्यात्मिक संदेश को पश्चिमी दुनिया तक ले गए। उन्होंने भारत के लोगों में एक नया आत्मविश्वास भरा।

मोदी दिल्ली के भारत मंडपम पहुंचे, युवाओं से बात की

युवा विकसित भारत के लिए मंथन कर रहे

● विकसित भारत युवा सम्मेलन में पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी, युवाओं से किया संवाद

नई दिल्ली,(एजेंसी)। यह कार्यक्रम 'राष्ट्रीय युवा दिवस' पर आयोजित किया जा रहा है। स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में हुआ था। उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। पीएम मोदी ने शनिवार को कहा था कि वह पूरा दिन 'अपने युवा मित्रों' के साथ बिताएंगे और वे शविकसित भारतश के निर्माण से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को भारत मंडपम पहुंचे। यहां उन्होंने 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' में प्रतिभागियों के साथ मुलाकात की। कार्यक्रम बिना किसी राजनीतिक संबंध वाले एक लाख युवाओं को राजनीति में लाने के उनके प्रयासों के तहत आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम स्वामी विवेकानंद की जयंती के मौके पर होने वाले राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी युवाओं से 2047 के विकसित भारत के रोड मैप पर उनके विचारों को जानने की कोशिश कर रहे हैं। भारत मंडपम में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव में प्रधानमंत्री युवाओं के साथ महिला सशक्तिकरण, विकसित भारत, डिजिटल भारत, खेलों में श्रेष्ठता जैसे 10 विषयों पर प्रेजेंटेशन भी देखेंगे। कार्यक्रम में देश निर्माण के 10 विषयों पर 2047 में विकसित भारत के लिए उनके विजन को सम्मिलित किया गया है। इसे युवाओं की राजनीति की पाठशाला कहा जा सकता है। इसके माध्यम से सरकार का जोर युवा नेता बनाना है, जो देश के विकास के विजन को प्रमुखता

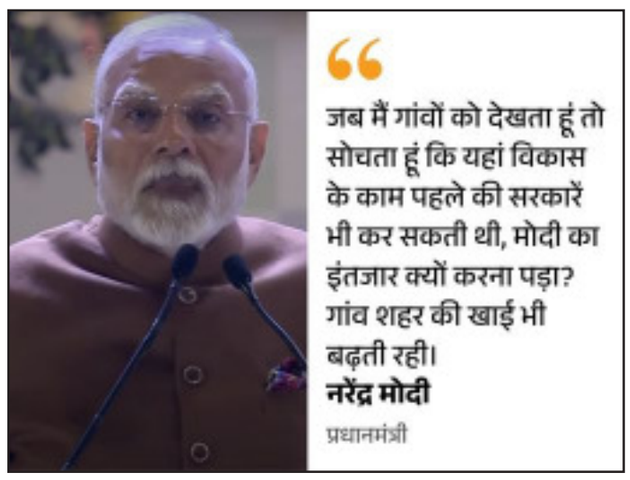

देते हुए राजनीति में आगे बढ़े इस युवा महोत्सव को युवा के लिए युवाओं द्वारा युवा संकल्प के साथ पेश किया गया है। यह केवल एक आयोजन नहीं बल्कि अभियान है, युवाओं को सशक्त करने, उनकी नेतृत्व क्षमता व्यावहारिक विचार जो कि विकसित भारत की परिकल्पना के अनुरूप है। युवाओं को महोत्सव में उनकी योग्यता के अनुरूप प्रमाणपत्र दिया जाएगा। इस बार राष्ट्रीय युवा महोत्सव सांस्कृतिक आदान–प्रदान और युवा ऊर्जा का प्रतीक रहा है, देश निर्माण और विकास के विजन में भी सम्मिलित हो रहा है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि वे विकसित भारत के निर्माण के उद्देश्य से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि जिन युवाओं से उनकी मुलाकात होगी, उनमें विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार, संस्कृति और अन्य चीजों के प्रति काफी जुनून है। बयान में कहा गया है कि आयोजन का उद्देश्य राष्ट्रीय युवा महोत्सव को पारंपरिक तरीके से आयोजित करने की 25 साल पुरानी परंपरा को तोड़ना है। यह बिना किसी राजनीतिक संबद्धता वाले एक लाख युवाओं को राजनीति में शामिल करने और उन्हें विकसित भारत के विचारों को वास्तविकता के धरातल पर उतारने के संबंध में हैं। इससे पहले, विकसित भारत युवा नेता संवाद के दूसरे दिन विभिन्न क्षेत्रों की दिग्गज हस्तियों ने भारत मंडपम में जुटे युवाओं को बताया कि टेक्नोलॉजी आज की महती जरूरत है।

बीजापुर में सुरक्षाबल और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, तीन नक्सली ढेर

बीजापुर,(एजेंसी)। मुठभेड़ में अब तक तीन नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। ऑटोमेटिक हथियार भी बरामद हुए हैं। भोपालपटनम के मद्देड़ इलाके में बन्देपारा–कोरणजेड के जंगलों में सुरक्षाबल और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो रही है। सुबह से रुक–रूककर गोलीबारी हो रही है। बीजापुर के नेशनल पार्क क्षेत्र के जंगलों में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर सुरक्षा बल की टीम ने नक्सली विरोधी अभियान शुरू किया। अभियान के दौरान रविवार की सुबह नेशनल पार्क क्षेत्र में पुलिस व नक्सलियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। यह मुठभेड़ अब भी रुक–रुक कर जारी है। जानकारी के मुताबिक, मुठभेड़ में अब तक तीन नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। ऑटोमेटिक हथियार भी बरामद हुए हैं। मुठभेड़ अभी भी जारी है। भोपालपटनम के मद्देड़ इलाके में बन्देपारा–कोरणजेड के जंगलों में सुरक्षाबल और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो रही है। सुबह से रुक–रूककर गोलीबारी हो रही है। पुलिस के आला अधिकारियों ने इस मुठभेड़ की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बल सर्च अभियान में जुटे हुए हैं और विस्तृत जानकारी अभियान समाप्त होने के बाद साझा की जाएगी। तीन नक्सलियों के मारे जाने की है खबर इस मुठभेड़ में तीन नक्सलियों के मारे जाने की खबर मिल रही है। घटना के बाद से इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। नक्सली गतिविधियों को लेकर इस क्षेत्र में पहले भी कई बार बड़े अभियान चलाए गए हैं। फिलहाल, सर्च अभियान जारी है और सुरक्षा बल पूरी मुस्तैदी के साथ स्थिति को नियंत्रित कर रहे हैं।

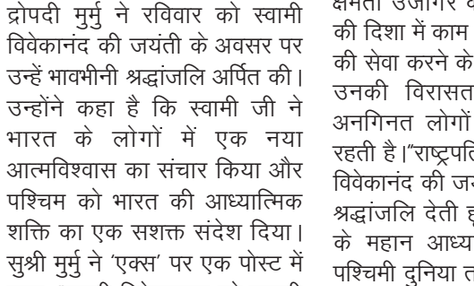

दिल्ली चुनाव के लिए कांग्रेस का बड़ा दांव

● कांग्रेस ने युवाओं के लिए की बड़ी घोषणा, हर महीने 8500 रुपये देने का एलान

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा हो गई है। दिल्ली की सभी 70 विधानसभा सीटों पर एक साथ पांच फरवरी को मतदान होंगे। सीएम आतिशी ने चुनाव लड़ने के लिए दिल्ली की जनता से चंदा मांगा है। वहीं, कांग्रेस ने आज अपनी तीसरी गारंटी की घोषणा कर दी है। कांग्रेस ने युवाओं को हर महीने 8500 रुपये देने का किया एलान कांग्रेस ने आज श्युवा उड़ान योजनाश नाम से अपनी तीसरी गारंटी की घोषणा कर दी है। यह घोषणा युवाओं के लिए है। कांग्रेस ने दिल्ली के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को एक साल तक 8500 रुपये प्रतिमाह की देने की बात कही है। इस योजना के तहत युवाओं को हर महीने 8500 रुपये मिलेंगे और एक साल की अप्रेंटिसशिप प्रदान की जाएगी। इस योजना की घोषणा करते हुए कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा, श्आज महान विचारक स्वामी विवेकानंद जी की जयंती है जो युवाओं के प्रेरणा स्रोत थे। दिल्ली में युवाओं के भविष्य पर राज्य और केंद्र सरकार का कोई ध्यान नहीं है। दिल्ली में इतिहास गवाह है कि यहां जब–जब कांग्रेस की सरकार रही है तब–तब यहां के विकास को पूरे देश में लोग अग्रिम मानते आए हैं। दिल्ली में जिस जिम्मेदारी से हम वादा करेंगे उसी जिम्मेदारी के साथ उसे पूरा भी करेंगे और जनता इस बात को जानती है। मुझे पूरा विश्वास है कि 5 फरवरी को जब दिल्ली के लोग मतदान करेंगे तो इतिहास को याद करेंगे कि किसने क्या कहा और क्या किया। कहां से CAG रिपोर्ट आई? यह बहुत गंभीर मामलारू संजय सिंह दिल्ली शराब नीति पर CAG रिपोर्ट पर AAP सांसद संजय सिंह ने कहा, श्ये CAG रिपोर्ट कहां से आई? दिल्ली में अभी आदर्श आचार संहिता लागू है। भाजपा चुनाव नियमों का उल्लंघन कर रही है और फर्जी खबरें फैला रही है। जब CAG रिपोर्ट विधानसभा में पेश ही नहीं की गई है, तो फिर आपके पास कहां से CAG रिपोर्ट आई? यह बहुत गंभीर मामला है और जो भाजपा नेता इसके बारे में बात कर रहे हैं।

राष्ट्रीय युवा दिवसः आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत पर करें गर्व

लखनऊ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें नमन किया और सभी लोगों को "राष्ट्रीय युवा दिवसश्श की शुभकामनाएं दी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें नमन किया और सभी लोगों को "राष्ट्रीय युवा

दिवसश्श की शुभकामनाएं दी। योगी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने विश्व को यह दिखाया कि हिंदू धर्म मानवता का सच्चा मार्गदर्शक है। बता दें कि प्रत्येक वर्ष 12 जनवरी को "राष्ट्रीय युवा दिवसश्श मनाया जाता है। यह दिन स्वामी विवेकानंद की जयंती है, जिन्हें युवाओं के लिए प्रेरणा माना जाता है। स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को हुआ था। 'गर्व से कहो, हम हिंदू हैंश सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्सश पर पोस्ट किया, "गर्व से कहो, हम हिंदू हैं। सनातन संस्कृति को वैश्विक पटल पर पुनर्स्थापित करने वाले महान युवा संन्यासी, युग प्रवर्तक चिंतक, युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर उन्हें कोटिशः नमन एवं श्राष्ट्रीय युवा दिवसश्श की सभी को हार्दिक बधाई।श्श मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा, "उन्होंने (स्वामी विवेकानंद) विश्व को यह दिखाया कि हिंदू धर्म मानवता का सच्चा मार्गदर्शक है। आइए, श्राष्ट्रीय युवा दिवसश्श पर उनके विचारों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण हेतु संकल्पित हों।

हफ्ते में 90 घंटे काम पर बहस तेज

● भारत में औसतन कितने घंटे काम करते हैं लोग, बाकी देशों का क्या हाल?

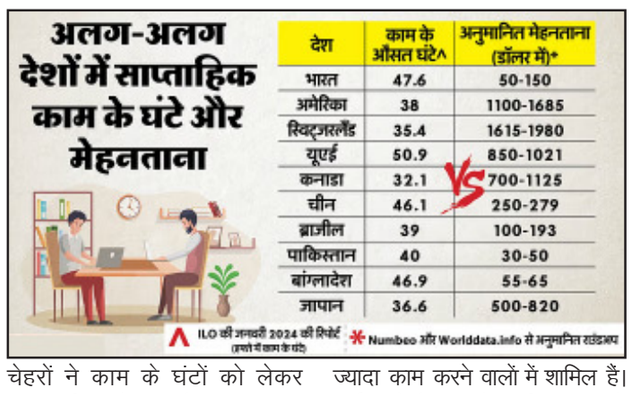

देश	काम के औसत घंटे^	अनुमानित मेहनताना (डॉलर में)*
भारत	47.6	50-150
अमेरिका	38	1100-1685
स्विट्जरलैंड	35.4	1615-1980
यूएई	50.9	850-1021
कनाडा	32.1	700-1125
चीन	46.1	250-279
ब्राजील	39	100-193
पाकिस्तान	40	30-50
बांग्लादेश	46.9	55-65
जापान	36.6	500-820

^ ILO की जनवरी 2024 की रिपोर्ट (हफ्तों में काम के घंटे) * Numbeo और Worlddata.info से अनुमानित सैलरी आय

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। यह जानना अहम है कि आखिर भारत में लोग वास्तव में हर हफ्ते कितने घंटे काम में देते हैं? भारत में मिलने वाली तनख्वाह और काम के घंटों की तुलना में बाकी देश कहां खड़े हैं? भारत में इस बारे में कानून क्या है? और अब तक कौन कौन से बड़े चेहरे युवाओं को ज्यादा काम करने की सलाह दे चुके हैं? आइये जानते हैं... भारत में मौजूदा समय में जिस बात पर सबसे ज्यादा बहस चल रही है, वह है बड़ी कंपनियों के मालिकों की तरफ से हर हफ्ते काम के घंटे बढ़ाने को लेकर दिए गए बयानों पर। एक के बाद एक कई व्यापारी और उद्योगपति इस मुद्दे पर अपनी राय रख रहे हैं। भारत में भी इस मुद्दे पर बहस पिछले दो वर्षों से जारी है। इसकी शुरुआत हुई थी इंफोसिस के मुखिया नारायणमूर्ति के बयान से, जिन्होंने कहा था कि युवाओं को हर हफ्ते अपने काम में 70 घंटे तक देने चाहिए। इसके बाद कई और बड़े चेहरों ने काम के घंटों को लेकर बयान दिए हैं। इनमें ताजा नाम लार्सेन एंड टूब्रो कंपनी के प्रमुख– एसएन सुब्रमण्यम का भी जुड़ गया है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर भारत में लोग वास्तव में हर हफ्ते कितने घंटे काम में देते हैं? भारत में मिलने वाली तनख्वाह और काम के घंटों की तुलना में बाकी देश कहां खड़े हैं? और अब तक कौन कौन से बड़े चेहरे युवाओं को ज्यादा काम करने की सलाह दे चुके हैं? आइये जानते हैं... 1. भारत में क्या है लोगों के हर हफ्ते काम करने का औसत? इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन (आईएलओ) के 2024 तक के डाटा के मुताबिक, भारत उन देशों में से है, जहां लोगों के काम के घंटे सबसे ज्यादा हैं। यहां तक कि दक्षिण एशियाई देशों में भी भारत के लोग सबसे ज्यादा काम करने वालों में शामिल हैं। आईएलओ के डाटा के मुताबिक, भारत के लोग हर हफ्ते औसतन 46.7 घंटे काम करते हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि यह औसत आंकड़ा है। इसी डाटा में बताया गया है कि 51 फीसदी भारतीय तो हर हफ्ते 49 घंटे से ज्यादा काम में देते हैं। इस मामले में सबसे ऊपर नाम भूटान का है, जहां 61 फीसदी कामगार हर हफ्ते 49 घंटे से ज्यादा काम करते हैं। इसके मुकाबले बांग्लादेश के 47 फीसदी कामगार और पाकिस्तान के 40 फीसदी कामगार ही हर हफ्ते 49 घंटे या इससे ज्यादा काम करते हैं। किन देशों में सबसे कम काम करते हैं कामगार? ओशियानिया में आने वाला द्वीप देश वनुआतु उन देशों में से है, जहां कर्मचारियों के लिए काम के घंटे सबसे कम हैं। यहां लोग एक हफ्ते में सिर्फ 24.7 घंटे ही दफ्तर या नौकरी करते हुए बिताते हैं।

20 राज्यों में अगले 2 से 5 दिन घने कोहरे के आसार

नई दिल्ली,(एजेंसी)। मौसम विभाग ने आज शाम व रात के समय हल्की से मध्यम बारिश होने का भी अनुमान जताया है। ऐसे में ठिठुरन बढ़ेगी। साथ ही, घने से घना कोहरा छाया रहेगा। पश्चिमी हिमालयी राज्यों में चोटियों पर बर्फबारी और दिल्ली–एनसीआर समेत मैदानी क्षेत्रों में हुई हल्की बारिश से ठंड

और बढ़ गई है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में जहां शनिवार सुबह के समय घना कोहरा भी छाया रहा, वहीं, रात में कई स्थानों पर बारिश भी हुई। इसके चलते दिल्ली में लगभग 200 उड़ानों और 150 से अधिक ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहा। वहीं, पहाड़ों पर आज भी हिमपात व मैदानी इलाकों में हल्की बारिश के आसार हैं। भारतीय मौसम विभाग ने उत्तर, पूर्व और पूर्वोत्तर के 20 राज्यों में अगले 2–5 दिनों तक घना कोहरा छाए रहने की संभावना जताई है। इन राज्यों में रहेगा कोहरे का कहर मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ और पूर्वी हवाओं के कारण मौसम में यह बदलाव आया है। 14 जनवरी की रात से ताजा पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की संभावना है। और इसके प्रभाव से जम्मू–कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश में 15–17 जनवरी तक बारिश– बर्फबारी और राजस्थान में हल्की बारिश हो सकती है। पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान व उत्तराखंड में भी 12–16 जनवरी के बीच कोहरा छाए रहने की संभावना है।

पटना समेत कई जिलों में पप्पू यादव के समर्थकों ने किया बवाल

● समस्तीपुर में ट्रेन रोकी

पटना,(एजेंसी)। पटना, पूर्णिया, मधेपुरा, सहरसा, सासाराम, सुपौल, किशनगंज, गया, औरंगाबाद, मुजफ्फरपुर, समेत कई जिलों में पप्पू यादव के समर्थक प्रदर्शन किया। बिहार बंद को लेकर रविवार को पप्पू यादव के समर्थक सहरसा में सड़क पर उतरे। नगर निगम क्षेत्र के कचहरी ढाला, शिवपुरी ढाला, वीर कुंवर सिंह चौक, थाना चौक, महावीर चौक सहित कई जगहों पर बाजार बंद करवाकर, सड़क जाम कर आगजनी किया। सड़क जाम रहने से आम अवाम को आवगमन को लेकर भारी कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। प्रदर्शन में शामिल जाप नेता रंजन यादव, मनोज पासवान, शशि भूषण यादव, डॉ कपिलदेव यादव, अरविंद खां, जितेन्द्र भगत, कमलेशरी प्रसाद यादव, उमेश यादव, अशोक यादव, गणेश, राजू यादव, मिथिलेश कुमार सहित अन्य ने कहा कि बीपीएससी छात्रों पर लाठी से हमला करने वाले पुलिस अधिकारी पर कार्रवाई हो और बीपीएससी परीक्षा में धांधली जो हुआ है उसकी जांच कर उक्त कर्मी को निलंबित किया जाय। साथ ही साथ बीपीएससी का फिर से पुनः परीक्षा लिया जाय। सरकार हमलोगों की बात नहीं मानती है तो सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन किया जाएगा। समस्तीपुर में पप्पू यादव के समर्थकों ने रोकी ट्रेन बीपीएससी 70वीं परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर पप्पू यादव के आह्वान पर युवा शक्ति के कार्यकर्ताओं ने रविवार को समस्तीपुर में ट्रेनें रोकी। जिसे समस्तीपुर मुजफ्फरपुर रेलखंड पर करीब आधे घंटे तक ट्रेनों का परिचालन बाधित रहा। बाद में आफ और जीआरपी के मौके पर पहुंचने पर लोगों ने रेलवे ट्रैक खाली किया फिर जाकर ट्रेनों का परिचालन शुरू हुआ। कार्यक्रम का नेतृत्व युवा शक्ति के जिला अध्यक्ष मनीष यादव कर रहे थे।

पटना में पप्पू यादव के समर्थकों ने जमकर मचाया उत्पात पटना के अशोक राजपथ पर पप्पू यादव को समर्थकों ने जमकर उत्पात मचाया है। बंद समर्थकों ने सरकारी काम में लगे गाड़ियों में की तोड़फोड़ की। जबरन दुकानें बंद करवा रहे हैं। सांसद पप्पू यादव अपने समर्थकों के साथ गांधी मैदान पेट्रोल पंप के पास धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। सभी लोग 70वीं पीटी परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे हैं। इधर, प्रदर्शन के कारण इस इलाके में आवागमन पूरी तरह प्रभावित है।

एकता का सपना

इंडिया गठबंधन बनने के सवा साल के भीतर ही बिखरता और खत्म होता नजर आ रहा है। जिस दिन से यह गठबंधन बना, तभी से इसमें गहरे मतभेद दिखाई देते रहे। मुद्दों और नीतियों पर गहरा बिखराव लगातार देखने को मिला। जितने दल, उतनी बातें। अब न मुद्दे एक रहे, न मंच। कभी ईवीएम पर अलग–अलग राय, तो कभी संभल पर। कभी अडानी पर घमासान, तो कभी सीटों के तालमेल को लेकर विवाद। कभी गठबंधन के नेतृत्व पर असहमति, तो कभी विचारों में विरोधाभास। कभी नेता बदलने की मांग उठती, तो कभी संसद में हर दल अपनी–अपनी डफली और अपना–अपना राग अलापता।इन गहरे मतभेदों और असहमति से भरे इंडिया गठबंधन ने हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान ही गिरावट दिखानी शुरू कर दी थी। अब दिल्ली विधानसभा चुनाव में यह पूरी तरह बिखर चुका है। गठबंधन के नेता अब खुलकर स्वीकार कर रहे हैं कि यह गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए था, जो अब खत्म हो चुका है।

इन दिनों बिहार और दिल्ली में सियासी तापमान, कड़ाके की ठंड के बावजूद, गर्म है। दिल्ली में 5 फरवरी को मतदान होना है, और साल के अंत तक बिहार में भी नई सरकार की तस्वीर साफ हो जाएगी। लेकिन इन चुनावों से पहले ही दिल्ली और बिहार की तीखी बयानबाजी और राजनीतिक सरगर्मियों के चलते इंडिया गठबंधन टूटने की कगार पर पहुंच गया है। दिल्ली चुनाव में 'आप' और कांग्रेस के बीच बढ़ती दूरी और सहयोगी दलों के रुख ने गठबंधन की टूट को तय कर दिया है।वैसे, गठबंधन की नाव कांग्रेस की हरियाणा और महाराष्ट्र में हार के बाद ही हिचकोले खाने लगी थी, लेकिन दिल्ली चुनाव ने इसे लगभग डुबो ही दिया। कांग्रेस के हाथ का साथ छोड़कर, गठबंधन के सभी दल केजरीवाल के झाड़ू के पीछे खड़े हो गए हैं। ममता बनर्जी की तृणमूल, अखिलेश यादव की सपा, उद्धव ठाकरे की शिवसेना, और अन्य दल कांग्रेस से दूरी बनाकर केजरीवाल के साथ खड़े हो गए हैं।

राजनीति में कोई स्थाई दोस्त या दुश्मन नहीं होता और यह गठबंधन भी बनते–बिगड़ते रिश्तों का उदाहरण बन गया है। लगातार चुनावी असफलताओं से उत्पन्न बेचैनी गठबंधन पर भारी पड़ती रही। एक–दूसरे के खिलाफ असंतोष, दोषारोपण और बयानबाजी ने विपक्ष की एकता को कमजोर कर दिया।

लोकसभा चुनाव के दौरान इंडिया गठबंधन ने अपने लक्ष्य में आंशिक सफलता पाई थी। उसने जम्मू–कश्मीर, महाराष्ट्र और झारखंड में मिलकर विधानसभा चुनाव लड़े, लेकिन हरियाणा में कांग्रेस ने 'आप' के साथ चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। अब यही काम 'आप' ने दिल्ली में किया, क्योंकि वह राजधानी को अपना गढ़ मानती है। कांग्रेस भी दिल्ली में अपनी राजनीतिक जमीन छोड़ने को तैयार नहीं, क्योंकि उसने यहां लंबे समय तक शासन किया है।इंडिया गठबंधन की असफलता का बड़ा कारण यह है कि इसके घटक दलों के बीच नीति और नीयत में एकजुटता नहीं है। इसके अलावा, गठबंधन के पास कोई स्पष्ट साझा उद्देश्य भी नहीं है। यही कारण है कि यह गठबंधन राजनीतिक मजबूरियों और विरोधाभासों के कारण टूट गया। भारतीय राजनीति में विपक्षी एकता के प्रयास पहले भी हुए हैं, लेकिन वे कभी भी लंबे समय तक सफल नहीं रहे। किसी भी गठबंधन की सफलता के लिए साझा उद्देश्य, स्पष्ट नीति, और मजबूत नेतृत्व जरूरी होता है। इंडिया गठबंधन इन सभी कसौटियों पर खरा नहीं उतर सका। अब भाजपा नेताओं का कहना है कि यह गठबंधन सिर्फ मोदी के डर से बना था और उसका यही हश्र होना था। राजनीति में गठबंधन बनते और बिगड़ते रहते हैं, लेकिन इंडिया गठबंधन की असफलता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भविष्य में ऐसे किसी भी गठबंधन को जनता का विश्वास जीतने में मुश्किल होगी।

आतंक का माहौल

सुरक्षा के मोर्चे पर चुस्ती और सख्ती के तमाम दावों के बावजूद देश में आतंक का माहौल क्यों लौट रहा है? झूठी धमकियां देने वालों या हमले की तैयारी में लगे समूहों के बारे में खुफिया एजेंसियां पूर्व सूचना क्यों नहीं जुटा पा रही हैं?जम्मू–कश्मीर में निर्वाचित सरकार के पद संभालने के कुछ दिनों के अंदर ही आतंकवादियों ने कहर ढाया है। श्रीनगर–लेह राजमार्ग पर सोनमर्ग के पास रविवार को उनके हमले में सात लोग मारे गए। इनमें ज्यादातर दूसरे राज्यों से आए कर्मी हैं, जो वहां निर्माण कार्य में लगे थे। दो बातें खास हैं। कश्मीर घाटी में जारी निर्माण कार्यों से संबंधित स्थल पर हाल के वर्षों में हुआ यह पहला हमला है। फिर यह वहां हुआ, जिसके बारे में पिछले एक दशक से माना जाता था कि वह इलाका आतंकवाद के साये से मुक्त हो चुका है। बताया गया है कि ताजा हमला पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने किया।

जिस रोज यह हमला हुआ, उसी दिन नई दिल्ली के रोहिणी इलाके में सीआरपीएफ पब्लिक स्कूल के बाहर बम धमाका हुआ, जिससे स्कूल परिसर की बाउंड्री वॉल क्षतिग्रस्त हो गई। प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। उधर रविवार को ही 25 उड़ानों के दौरान उनमें बम होने की धमकी मिली, जिस वजह से उनकी इमरजेंसी लैंडिग करानी पड़ी। इसके पहले शनिवार को 30 से ज्यादा उड़ानों को ऐसी धमकियां मिली थीं। ये सभी फर्जी निकलीं, मगर दोनों दिन इनकी वजह से हवाई यात्राएं बाधित हुईं और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दरअसल, थोड़ा पीछे जाकर देखें, तो काफी समय से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्कूलों और अस्पतालों में बम होने की धमकियां मिल रही हैं।अब तक ये धमकियां फर्जी साबित हो रही थीं, लेकिन रविवार को आखिरकार सचमुच विस्फोट हो गया। ऐसी घटनाओं ने देश में आतंक का माहौल लौटा दिया है। इससे सवाल उठा है कि सुरक्षा के मोर्चे पर चुस्ती और सख्ती के तमाम दावों के बावजूद देश में ये माहौल क्यों लौट रहा है? झूठी धमकियां देने वालों या हमले की तैयारी में लगे समूहों के बारे में खुफिया एजेंसियां पूर्व सूचना क्यों नहीं जुटा पा रही हैं? जम्मू–कश्मीर का मामला ज्यादा गंभीर है। जम्मू क्षेत्र आतंकवादी हमलों के नए ठिकाने के रूप में उभरा है, जबकि अब कश्मीर घाटी में भी ऐसी वारदातों ने फिर सिर उठा लिया है। आखिर क्यों?

टैक्स चोरी करने वालों की मौज

अजीत द्विवेदी

किसी अज्ञात शायर का शेर है– विसाल ए यार से दूना हुआ इश्क, मर्ज बढ़ता गया ज्यों ज्यों दवा की। यही हुआ है भारत में बड़े धूम धड़ाके से आधी रात को संसद बुला कर शुरू किए गए अप्रत्यक्ष कर सुधार के कानून, वस्तु व सेवा कर यानी जीएसटी के साथ। जैसे जैसे कानून पुराना हो रहा है वैसे वैसे टैक्स चोरी भी बढ़ती जा रही है। गौरतलब है कि जिस तरह से आधी रात को आजादी की घोषणा हुई थी उसी तरह जुलाई 2017 में नरेंद्र मोदी सरकार ने आधी रात को संसद बुला कर जीएसटी कानून लागू करने का ऐलान किया था।

इस कानून को अप्रत्यक्ष कर से जुड़ी तमाम गड़बडियों के लिए एकमात्र उपाय के तौर पर प्रस्तुत किया गया। केंद्र ने कितनी ही मेहनत करके सभी राज्यों को इसके लिए तैयार किया कि वे कर वसूलने का अपना अधिकार छोड़ दें और यह काम केंद्र को करने दें। कहा गया कि यह एक देश, एक कर की व्यवस्था है लेकिन हकीकत में यह एक देश, अनेक कर की पुरानी व्यवस्था का ही विस्तार है। वह एक अलग मसला है। कारोबारियों को हो रही समस्याएं भी एक बड़ा मसला है। लेकिन अगर सिर्फ टैक्स चोरी की बात करें तो यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि जिस मकसद से इस कानून को लागू किया गया था वह पूरा नहीं हो पा रहा है।

भारत सरकार की संस्था डीजीजीआई यानी डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलीजेंस की रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2023–24 में जीएसटी की चोरी दो लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हुई है। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक अगर केंद्रीय जीएसटी में चोरी को जोड़ दें तो वित्त वर्ष 2023–24 की टैक्स चोरी 2.37 लाख करोड़ रुपए पहुंच जाएगी। यानी अगर सरकार साल में 20 लाख करोड़ रुपए का जीएसटी इकट्ठा करती है तो उसके 12 फीसदी के बराबर टैक्स चोरी होता है! यह आंकड़ा कितना बड़ा है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बिहार जैसे विशाल राज्य का सालाना बजट 2.62 लाख करोड़ का होता है। यानी बिहार के बजट के लगभग बराबर जीएसटी की चोरी हुई है।

भारत सरकार का बजट 40 लाख करोड़ रुपए का है। जीएसटी की चोरी उसके लगभग छह फीसदी के बराबर है। इतनी बड़ी टैक्स चोरी हो रही है और सरकार को पता होने के बावजूद वह कुछ नहीं कर पा रही है! चोरी रोकने की बजाय सरकार इस उधेड़बुन में है कि कैसे कुछ और वसूली बढ़ाई जा सके। तभी जीएसटी को युक्तिसंगत बनाने या रेशनलाइज करने के लिए बने मंत्री समूह की बैठक हुई तो उसमें जो फैसले हुए उनको लेकर बताया गया कि इससे सरकार को 10 हजार करोड़ रुपए का अतिरिक्त टैक्स मिलेगा। यानी सारे उपाय अतिरिक्त टैक्स हासिल करने के ही हो रहे हैं।ऐसा नहीं है कि जीएसटी की चोरी में सिर्फ निजी या फर्जी कंपनियां शामिल हैं। सरकारी कंपनियां भी टैक्स चोरी कर रहे हैं या छिपा रही हैं। भारतीय जीवन बीमा निगम लिमिटेड जैसी बड़ी कंपनी को पिछले एक साल में टैक्स चोरी के अनेक नोटिस जा चुके हैं। बीमा कंपनियों के अलावा ई कॉमर्स कंपनियां, आईटी सेक्टर की कंपनियां, ऑनलाइन गेमिंग की कंपनियां, पान मसाला और गुटखा, सिगरेट बेचने वाली कंपनियां, सब टैक्स चोरी में शामिल हैं। ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों ने ही एक साल में एक लाख 10 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा टैक्स की चोरी की है।

बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज एंड इश्योरेंस यानी बीएफएसआई भारत का सबसे संगठित सेक्टर है। जीएसटी की चोरी में यह सेक्टर दूसरे स्थान पर है। सोचें, देश का वित्तीय सेक्टर, जो इस समय आईटी के साथ साथ सबसे तेजी से बढ़ता सेक्टर है और जिसके क्लायंट की पूरी सूचना सेक्टर की कंपनियों के पास होती है वहां इतनी बड़ी मात्रा में टैक्स चोरी हो रही है?इतना बड़ा नेटवर्क खड़ा करने और इतना बड़ा तामझाम करने के बावजूद टैक्स चोरी कैसे हो रही है, यह समझना भी बहुत मुश्किल काम नहीं है। जिस तरह से पुराने सिस्टम में टैक्स चोरी होती थी उसी तरह इस सिस्टम में भी हो रही है। फर्जी इनवॉयस बना कर कंपनियां इनपुट टैक्स क्रेडिट सरकार से वसूल रही हैं। इसके लिए लोगों के आधार कार्ड चुरा कर फर्जी कंपनियां खड़ी की जा रही हैं और उन कंपनियों के नाम पर फर्जी इनवॉयस बनाए जा रहे हैं। डिजिटल और ई कॉमर्स से जुड़ी कंपनियां भारत में रजिस्ट्रेशन नहीं करा रही हैं वे विदेशी रजिस्ट्रेशन पर ही काम कर रही हैं।

इसी तरह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से मिलने वाली सेवाओं को गलत तरीके से वर्गीकृत किया जा रहा है और उनका टैक्स स्लैब घटा दिया जा रहा है। ऑनलाइन गेमिंग कंपनियां जुए की तरह लॉटरी वाले खेल चला रही हैं लेकिन उनको कौशल आधारित खेल की तरह पेश किया जा रहा है, जिससे सबसे ज्यादा टैक्स की चोरी हो रही है। इस सेक्टर में सबसे ज्यादा एक लाख 10 हजार करोड़ रुपए की टैक्स चोरी हुई है। उसके बाद बीएफएसआई सेक्टर है, जिसमें टैक्स चोरी हुई। इसके अलावा सरकारी टेंडर से मिलने वाले कार्यों में या इलेक्ट्रोनिक सामानों में या सिगरेट, पान, गुटखा, तंबाकू आदि की बिक्री में जम के टैक्स चोरी हो रही है।

सवाल है कि जब सरकार ने जीएसटी का पूरा सिस्टम ऑनलाइन किया और डिजिटल मॉनिटरिंग की व्यवस्था बनाई तो उन सबका क्या मतलब है अगर उनसे टैक्स चोरी नहीं रोकी जा रही है? वित्त वर्ष 2022–23 के मुकाबले 2023–24 में जीएसटी की चोरी दोगुनी हो गई। तो क्या इससे सरकार की नींद नहीं खुलनी चाहिए? लेकिन सरकार क्या कर रही है, वह कारण बताओ नोटिस जारी कर रही है, जिसका कोई असर नहीं हो रहा है। इस साल मार्च में खत्म हुए वित्त वर्ष में 1.64 लाख करोड़ रुपए की टैक्स चोरी के लिए करीब 24 सौ कारण बताओ नोटिस जारी किए गए।

इनके जरिए टैक्स चोरी करने वालों को एकमुश्त स्वैच्छिक टैक्स भुगतान से मामला सेटल करने का प्रस्ताव दिया गया। फिर भी करीब 13 हजार करोड़ रुपए की ही वसूली हो पाई। टैक्स चोरी के काम में शामिल लोगों और लाभार्थियों में से करीब डेढ़ सौ लोगों को गिरफ्तार किया गया लेकिन उसका भी कोई फायदा नहीं हुआ क्योंकि कोई मुकदमा आगे नहीं बढ़ा और बहुत से लोगों ने ऊपर की अदालतों से कार्रवाई पर रोक लगवा ली। सोचें, क्या कोई और सेक्टर हो सकता है, जिसमें एक साल में दो लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की चोरी हो जाए और सरकार कुछ न कर पाए?

पिछले वित्त वर्ष हर महीने औसतन 1.68 लाख करोड़ रुपए जीएसटी वसूला गया। इसका मतलब है कि सरकार एक महीने में जितना टैक्स वसूलती है उससे बहुत ज्यादा एक साल में चोरी हो जाता है। ऐसे सिस्टम का क्या फायदा? आम आदमी जीएसटी चुका कर परेशान है। उसके ऊपर बेतरह बोझ डाला गया है। अच्छे और सच्चे कारोबारी इस वजह से परेशान हैं कि इस कानून में यह प्रावधान किया गया है कि बिल जेनरेट करते ही यानी किसी से भुगतान के लिए उसको बिल बना कर भेजते ही उस पर लगने वाला जीएसटी जमा करना होता है।

ईमानदार कारोबारी बिल बनाने के साथ ही जीएसटी जमा कर देता है लेकिन इस बात की कोई गारंटी नहीं होती है कि उसको समय से बिल का भुगतान हो जाए। उसका जीएसटी का पैसा महीनों, सालों फंसा रहता है और भुगतान नहीं होता है। सो, एक तरफ आम आदमी और ईमानदारी कारोबारी दोनों परेशान हैं तो दूसरी ओर टैक्स चोरी करने वालों की मौज हो गई है। वे हर साल टैक्स चोरी की रकम दोगुनी करते जा रहे हैं और सरकार का सारा सिस्टम कुछ नहीं कर पा रहा है।

उमर अपनी बात पर कितना खरा उतरते हैं?

बलबीर पुंज

बकौल मीडिया रिपोर्ट, चुनाव जीतने के तुरंत बाद उमर ने स्पष्ट कर दिया था, हमें केंद्र के साथ समन्वय बनाकर चलने की जरूरत है। जम्मू–कश्मीर के कई मुद्दों का समाधान केंद्र से लड़ाई करके नहीं हो सकता। यह देखना रोचक होगा कि मुख्यमंत्री उमर अपनी इस बात पर कितना खरा उतरते हैं?

उमर अब्दुल्ला ने केंद्र शासित जम्मू–कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली है। श्रीनगर में आयोजित कार्यक्रम में उप–राज्यपाल (एल.जी.) मनोज सिन्हा ने उमर के साथ पांच मंत्रियों को पद–गोपनीयता की शपथ दिलाई। उमर की पार्टी से सुरिंदर चौधरी उप–मुख्यमंत्री, तो निर्दलीय सतीश शर्मा मंत्री बनाए गए है। यह एक अच्छी शुरूआत है। परंतु प्रश्न उठता है कि मुस्लिम बाहुल्य प्रदेश में एक हिंदू मुख्यमंत्री क्यों नहीं बन सकता? यह स्थिति तब है, जब देश में ऐसे कई उदाहरण है, जहां हिंदू प्रधान राज्यों– केरल, महाराष्ट्र, असम, राजस्थान, बिहार, मणिपुर, पुडुचेरी और आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री मुस्लिम और ईसाई समाज से भी रहे है। यही नहीं, हिंदू बहुल भारत में कई गैर–हिंदू राष्ट्रपति, उप–राष्ट्रपति और राज्यपाल भी बन चुके है।

सत्तारुढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एन.सी.) ने अपने घोषणापत्र में जो 12 वादे किए है, उनमें सूबे में धारा 370–35ए और राज्य के दर्जे को बहाल करने के साथ कश्मीरी पंडितों की घाटी में सम्मानजनक वापसी का वादा भी शामिल है। मोदी सरकार ने इस बात को कई बार दोहराया है कि वह जम्मू–कश्मीर के राज्य के दर्जे को बहाल करने को प्रतिबद्ध है। इस सच्चाई से उमर भी अवगत है कि एल.जी. के पास कई शासकीय शक्तियां है और केंद्र के सहयोग बिना, कई काम (राज्य दर्जा सहित) पूरे नहीं हो सकते।जम्मू–कश्मीर के अतिरिक्त, देश में सात और राज्य– अंडमान–निकोबार, चंडीगढ़, दादरा–नगर हवेली दमन–दीव, दिल्ली, लद्दाख, लक्षद्वीप और पुडुचेरी केंद्र शासित है। वर्तमान समय में संभवतरू दिल्ली ही एकमात्र ऐसा केंद्र शासित प्रदेश है, जहां की निर्वाचित सरकार और एल.जी. के बीच संबंध तल्ख है। इस संदर्भ में क्या जम्मू–कश्मीर की स्थिति दिल्ली जैसी हो सकती है?

कांग्रेस की दिवंगत नेत्री शीला दीक्षित 1998–2013 तक दिल्ली की मुख्यमंत्री रही थी। यदि केंद्र सरकार में उनकी पार्टी के नेतृत्व को छोड़ दें, तब मुख्यमंत्री के रूप में शीला दीक्षित की 1998–2004 के कालखंड में राजनीतिक मतभेदों के बाद भी तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी सरकार की अगुवाई में भाजपा नीत केंद्र सरकार से कोई तनातनी नहीं थी। इसमें बदलाव अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप्च) की सरकार (2013 से अबतक) बनने के बाद आया, जो समन्वय के स्थान पर टकराव से देश की राजधानी में सरकार चला रही है। इस प्रकार की अराजकतावादी राजनीति कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी की देन है, जिन्होंने बिना वर्ष 2013 में किसी मंत्रिपद के अपनी ही सरकार के एक अध्यादेश को प्रेस–कॉन्फ्रेंस में फाड़कर फेंक दिया था और अब प्रधानमंत्री मोदी के लिए अमर्यादित शब्दों का उपयोग करते है।

ऐसा नहीं है कि दिल्ली में एल.जी. और आप्च के बीच तनातनी मई 2014 के बाद मोदी सरकार में प्रारंभ हुई है। कांग्रेस नीत केंद्र सरकार द्वारा एल.जी. बनाए गए नजीब जंग (2013–16) के साथ भी आप्च सरकार का रवैया कटु था। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उमर अब्दुल्ला को प्रत्यक्ष–परोक्ष रूप से अपनी पार्टी जैसा आचरण अपनाने का मशविरा दिया है। बकौल मीडिया रिपोर्ट, चुनाव जीतने के तुरंत बाद उमर ने स्पष्ट कर दिया था, हमें केंद्र के साथ समन्वय बनाकर चलने की जरूरत है। जम्मू–कश्मीर के कई मुद्दों का समाधान केंद्र से लड़ाई करके नहीं हो सकताज। यह देखना रोचक होगा कि मुख्यमंत्री उमर अपनी इस बात पर कितना खरा उतरते हैं?

एक पुराना मुहावरा है– हाथी के दांत खाने के और दिखाने के और। क्या सच में सत्तारुढ़ एन.सी. अस्थायी धारा 370–35ए की वापसी चाहती है? अब्दुल्ला परिवार (फारुख–उमर) राजनीति में परिपक्व है। एक तो उन्हें मालूम है कि अब केंद्र में किसी भी दल की सरकार रहे, इन दोनों धाराओं की वापसी लगभग नामुमकिन है। सर्वोच्च अदालत की संवैधानिक पीठ भी लंबी सुनवाई के बाद धारा 370–35ए के संवैधानिक परिमार्जन को हरी झंडी दे चुकी है। दूसरा यह कि इन दोनों प्रावधानों से क्या वाकई जम्मू–कश्मीर का कोई भला हुआ था? सच तो यह है कि धारा 370–35ए से कश्मीर की न केवल प्रगति रुक गई थी, बल्कि पाकिस्तान के सहयोग–वित्तपोषण से घाटी मध्यकालीन युग की ओर लौटने लगी थी।

क्या यह सच नहीं कि धारा 370–35ए के सक्रिय रहते– घाटी में सभी आर्थिक गतिविधियां कुंद थी, विकास कार्यों पर लगभग अघोषित प्रतिबंध था, सेना–पुलिसबलों पर लगातार पत्थरबाजी होती थी, पर्यटक घाटी आने से कतराते थे, अलगाववादियों द्वारा मनमर्जी बंद बुला लिया जाता था, सिनेमाघरों पर ताला था, मजहबी आतंकवाद के साथ पाकिस्तान समर्थित अलगाववाद का वर्चस्व था, वातावरण पाकिस्तान जिंदाबाद्य जैसे भारत–विरोधी नारों से दूषित था और शेष देश की भांति दलित–वंचितों के साथ आदिवासियों को मिलने वाले संवैधानिक अधिकारों (आरक्षण सहित) पर डाका था?

ईमानदारी से विश्लेषण करने के बाद इस बात को धारा 370–35ए के पैरोकार भी नहीं झुठला सकते कि इन दोनों धाराओं की समाप्ति के बाद जम्मू–कश्मीर शेष भारत की तरह पिछले पांच वर्षों से गुलजार है। इस कॉलम में कई अवसरों पर हाल ही में कश्मीर की बदली स्थिति और सकारात्मकता का जिक्र किया है। जिनमें– लालचौक की बढ़ती रौनक, नए–पुराने सिनेमाघरों के संचालन, जी–20 जैसा बड़ा वैश्विक सम्मेलन होना, देश–विदेश से लगभग सवा लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आना और हजारों–लाख रोजगारों के मौके सृजन होना आदि शामिल है।

अब्दुल्ला परिवार द्वारा अपनी पार्टी के घोषणापत्र में धारा 370–35ए को बहाल करने और कश्मीरी पंडितों की सम्मानजनक पुनर्वापसी का वादा– एक–दूसरे के परस्पर विरोधी है। धारा 370–35ए ही वही विषबीज था, जिसने कश्मीर में काफिर–कुफ्र्य जनित इको–सिस्टम के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। 2019 में इन धाराओं की समाप्ति– घाटी को उसके मूल बहुलतावादी स्वरूप में लौटाने की दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम था।जिस अलगाववाद, मजहबी कट्टरता और घृणा को यहां दशकों से पोषित किया गया है, जिसके कारण 1980–90 के दशक में रक्तरंजित जिहाद के बाद कश्मीरी पंडितों को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ा था– उसका समूचा विनाश पांच वर्ष में एकाएक संभव नहीं है। कश्मीरी पंडितों, जोकि इस भूखंड की मूल सनातन संस्कृति के ध्वजावाहक है– उनकी घाटी में सुरक्षित पुनर्वापसी उसी जहरीली मजहबी इको–सिस्टम मुक्त माहौल में ही संभव है। क्या नई उमर अब्दुल्ला सरकार से इस संदर्भ में किसी सहयोग की उम्मीद की जा सकती है?

महाकुंभ में पहली बार न्याय और जागरूकता का अनूठा प्रयोग

प्रयागराज। प्रयागराज में आयोजित होने वाला महाकुंभ 2025 इस बार अध्यात्म के साथ–साथ कानूनी जागरूकता का भी केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विशेष निर्देश पर महाकुंभनगर में न्यायाधीशों, लोकायुक्त और सूचना आयुक्तों के लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है।

महाकुंभनगर के सेक्टर–23 और किला घाट के पास 150 से अधिक कॉटेज का निर्माण किया जा रहा है, जहां 45 दिनों तक न्यायिक अधिकारी श्रद्धालुओं के बीच रहेंगे। मुख्यमंत्री योगी ने स्वयं स्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए हैं।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं को न केवल आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करना है, बल्कि उन्हें उनके अधिकारों और डिजिटल माध्यमों से न्याय प्राप्ति के बारे में भी जागरूक करना है। सेक्टर–4 में हाईकोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा निःशुल्क विधिक सहायता केंद्र स्थापित किया जा रहा है, जहां वकील कानूनी मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

राज्य सूचना आयुक्त वीरेंद्र सिंह वत्स के अनुसार, श्रद्धालुओं को सूचना के अधिकार के प्रभावी उपयोग की जानकारी दी जाएगी। यह पहल भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाने और पारदर्शिता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस तरह महाकुंभ 2025 आध्यात्मिक और सामाजिक जागरूकता का संगम बनने जा रहा है।

कुंभ में भव्य प्रवेश द्वार बने आकर्षण का केंद्र

प्रयागराज। महाकुंभ मेले में इस बार अखाड़ा क्षेत्र की भव्यता देखते ही बन रही है। विभिन्न अखाड़ों और धार्मिक संस्थाओं के शिविरों में बने कलात्मक प्रवेश द्वार आकर्षण का मुख्य केंद्र बने हुए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के महाकुंभ को और अधिक दिव्य–भव्य बनाने के संकल्प को साकार करते हुए, अखाड़ों ने अपने शिविरों को अनूठे ढंग से सजाया है।

झूंसी क्षेत्र में स्थित शिविरों के प्रवेश द्वार विभिन्न थीम पर आधारित हैं। कहीं एयरोप्लेन की डिजाइन दिखाई देती है, तो कहीं शिवलिंग, त्रिशूल और मुकुट के आकार में बनाए गए द्वार श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहे हैं। इन कलात्मक द्वारों को बनाने में कोलकाता, वाराणसी और दक्षिण भारत के कुशल कारीगरों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है।

प्रत्येक प्रवेश द्वार को तैयार करने में 10 से 15 दिनों का समय लगा है और इन पर लाखों रुपए का खर्च आया है। ये द्वार केवल सौंदर्य ही नहीं बढ़ा रहे, बल्कि श्रद्धालुओं के लिए मार्गदर्शक का काम भी कर रहे हैं। अखाड़ा, खाक चौक, दंडीवाड़ा, आचार्यवाड़ा और प्रयागवाल समेत सभी संस्थाओं के शिविरों की पहचान इन विशिष्ट प्रवेश द्वारों से की जा रही है, जिससे श्रद्धालुओं को अपने गंतव्य तक पहुंचने में आसानी हो रही है।

प्रयागराज में बदमाशों ने जान से मारने की धमकी दी

प्रयागराज। प्रयागराज के बहरिया क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। अपाचे बाइक पर सवार दो अज्ञात बदमाशों ने एक युवक को मुकदमे की पैरवी बंद करने की धमकी दी और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। घटना की जानकारी के अनुसार, बहरिया थाना क्षेत्र के सेहुआडीह निवासी सूरज अपने भाई धीरज कुमार के साथ मैलहन पेट्रोल पंप से अपनी बाइक में ईंधन भरवाकर खानपुर जा रहे थे। इसी दौरान पहले से अपाचे बाइक पर मौजूद दो अज्ञात बदमाश उन्हें रोककर धमकी देने लगे। बदमाशों ने सूरज को साफ शब्दों में कहा कि वह मुकदमे की पैरवी करना बंद कर दे, अन्यथा उसे जान से मार दिया जाएगा। सूरज कुछ समझ पाता, इससे पहले ही दोनों बदमाश मौके से फरार हो गए। इस घटना से सूरज और उनका पूरा परिवार दहशत में है। पीड़ित ने तुरंत बहरिया थाने पहुंचकर पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी ।

महाकुंभ में कैसे आएं..कहां ठहरें, पार्किंग कहां है

स्टेशन से 24 हजार कदम पैदल चलना होगा, विशेष स्नान के दिन 10 किमी पहले रोका जाएगा

प्रयागराज। अगर आप प्रयागराज महाकुंभ में आ रहे हैं तो यह खबर आपके लिए है। आप यहां कैसे पहुंच सकते हैं? किन–किन जगहों पर रोका जाएगा? कहां रह सकते हैं? रहने के लिए कितना खर्च होगा? कहां–कहां घूम सकते हैं? कहां, क्या खा सकते हैं? इन सारे सवालों के जवाब जानिए३

महाकुंभ को लेकर यूपी सरकार का अनुमान है कि 40 करोड़ लोग संगम स्नान के लिए प्रयागराज आएंगे। ये श्रद्धालु 13 जनवरी से 26 फरवरी के बीच आएंगे। 2019 में जब अर्द्धकुंभ हुआ था, तब करीब 24 करोड़ लोग आए थे।

मेला प्रशासन का अनुमान है कि सर्वाधिक 21% लोगों के जौनपुर रूट से महाकुंभ पहुंचने की संभावना है, जबकि रीवा और बांदा मार्ग से 18% श्रद्धालु आएंगे। इसी तरह, वाराणसी मार्ग से 16%, कानपुर मार्ग से 14% , मिर्जापुर मार्ग से 12% श्रद्धालु आ सकते हैं। लखनऊ मार्ग से 10% और प्रतापगढ़ मार्ग से 9% लोगों के आने की संभावना है।

बसों को 10 किलोमीटर पहले रोक दिया जाएगा

प्रयागराज में एंट्री के लिए मुख्य रूप से 7 रास्ते हैं। बस और निजी वाहन से आने वाले लोग इन्हीं रास्तों से होते हुए संगम पहुंचेंगे। कुल 6 राजसी स्नान (शाही स्नान) हैं। इसमें मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या और बसंत पंचमी पर ज्यादा भीड़ होगी। राजसी स्नानों से एक दिन पहले और एक दिन बाद तक कुंभ मेला क्षेत्र नो व्हीकल जोन होगा। यह नियम उन सड़कों पर लागू होगा, जो सीधे संगम को जाती हैं। इसे ऐसे समझिए, बस के जरिए अगर आप लखनऊ या अयोध्या की तरफ से आ रहे हैं तो मलाका के ही पास आपकी बस खड़ी हो जाएगी।

इसी तरह से कानपुर, वाराणसी, जौनपुर, मिर्जापुर, चित्रकूट से आने वाली बसों को भी संगम से करीब 10 किलोमीटर पहले रोक दिया जाएगा। निजी वाहनों को सुविधानुसार ही आगे आने दिया जाएगा। प्रशासन ने पूरे जिले में कुल छोटी और बड़ी 102 पार्किंग बनाई हैं। इनमें 70% पार्किंग स्नान घाट से 5 किलोमीटर के अंदर हैं।

बाकी 30: पार्किंग 5 से लेकर 10 किलोमीटर की दूरी पर हैं। 24 सैटेलाइट पार्किंग हैं, इनमें से 18 मेला क्षेत्र में और 6 प्रयागराज शहर में। यहां पीने का पानी, शौचालय, प्राथमिक इलाज, पब्लिक एड्रेस सिस्टम मौजूद है।

प्रयागराज जंक्शन से 24 हजार कदम पैदल चलना होगा

महाकुंभ के दौरान 3 हजार स्पेशल ट्रेन शुरू की गई हैं। ये ट्रेनें 13 हजार से अधिक फेरे लगाएंगी। जिले में प्रयागराज जंक्शन के अलावा 8 सब–स्टेशन हैं। ये कुल तीन जोन उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे और पूर्वोत्तर रेलवे में बांटे गए हैं।

कानपुर, दीनदयाल उपाध्याय, सतना, झांसी से होते हुए जो ट्रेन कुंभ में पहुंचेगी, वह प्रयागराज जंक्शन पर रुकेगी। यहीं से गाड़ी चलेगी भी। सतना, झांसी और दीन दयाल उपाध्याय स्टेशन की तरफ से जो रूटीन गाड़ियां आएंगी उन्हें नैनी और छिवकी जंक्शन पर रोका जाएगा। प्रमुख स्नान पर्व पर कुंभ के लिए स्पेशल गाड़ियों को भी वहीं रोके जाने की संभावना है।

लखनऊ, अयोध्या और जौनपुर की तरफ से जो ट्रेनें कुंभ में आएंगी उन्हें फाफामऊ स्टेशन, प्रयाग स्टेशन व प्रयागराज संगम स्टेशन पर रोका जाएगा। जिस दिन प्रमुख स्नान होंगे उस दिन प्रयागराज संगम स्टेशन तक ट्रेनों को नहीं जाने दिया जाएगा। कानपुर की तरफ से आने वाली गाड़ियों को सूबेदारगंज स्टेशन पर रोका जाएगा। वाराणसी, गोरखपुर व मऊ की तरफ से जो गाड़ियां कुंभ में आएंगी, उन्हें झूंसी व रामबाग स्टेशन पर रोका जाएगा। रामबाग शहर के अंदर है इसलिए प्रमुख स्नान पर्व पर ट्रेनों को झूंसी में रोकने की तैयारी है।

प्रयागराज जंक्शन सहित सभी 9 स्टेशनों पर अंदर जाने और बाहर आने के रास्ते अलग–अलग होंगे। जैसे प्रयागराज जंक्शन पर एक नंबर प्लेटफॉर्म की तरफ से एंट्री होगी, सिविल लाइंस की तरफ से आप प्लेटफॉर्म से बाहर निकल सकते हैं।

यहां से संगम की दूरी करीब 12 किलोमीटर है। एक व्यक्ति औसतन 2 कदम में एक मीटर की दूरी पूरी करता है। ऐसे में उसे मुख्य स्नान पर्व पर 24 हजार कदम पैदल चलकर पहुंचना होगा। रेलवे ने महाकुंभ के लिए टोल फ्री नंबर 1800 4199 139 जारी किया है। किसी भी तरह की पूछताछ आप इस नंबर पर कर सकते हैं।

इन 25 शहरों के लिए फ्लाइट

प्रयागराज से दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, लखनऊ, इंदौर, अहमदाबाद, कोलकाता, जयपुर, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद, भोपाल, चेन्नई, पुणे, गोवा, नागपुर, जम्मू, पटना, गोवा, अयोध्या, रायपुर, देहरादून, जबलपुर, चंडीगढ़, बिलासपुर के लिए फ्लाइट रहेगी।

महाकुंभ आएं तो कहां रुकें

महाकुंभ में आने वाले लोगों के लिए ठहरने की व्यापक व्यवस्था की गई है। मेले में 10 लाख लोगों के रुकने की व्यवस्था की गई है। इनमें फ्री और पेड दोनों तरह की व्यवस्था है। जैसे आप लग्जरी व्यवस्था चाहते हैं तो संगम के ही किनारे बस सकते हैं। वहां डोम सिटी बसाई जा रही। इसका किराया प्रतिदिन का 80 हजार रुपए से लेकर सवा लाख रुपए तक है।

इसके आसपास 2000 कैंप की टेंट सिटी बनाई गई है। यहां रहने पर आपको 3 हजार से लेकर 30 हजार रुपए तक देना होगा। इसके लिए बुकिंग भी पहले करानी होगी।

पूरे शहर में 42 लग्जरी होटल हैं। सभी की अपनी वेबसाइट है, जिसके जरिए आप उनके बारे में जान सकते हैं और बुक कर सकते हैं। इसके अलावा मेला क्षेत्र में 100 आश्रयस्थल हैं, हर आश्रयस्थल में 250 बेड हैं। 10 हजार से अधिक स्वयंसेवी संस्थाओं ने श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था की है।

महाकुंभ में सड़क, रेल और हवाई मार्ग से आ सकते हैं

इस बार कुंभ में आने वाले लोगों में 83% सड़क मार्ग से आएंगे। इसमें सरकारी बस और निजी वाहन शामिल हैं। शहर के अंदर 500 शटल बसें चलाई जाएंगी।

करीब 15% लोग ट्रेन के जरिए यहां पहुंचेंगे। इसके लिए रूटीन में चलने वाली ट्रेनों के अलावा 3 हजार से अधिक मेला स्पेशल ट्रेनें चलेंगी, जो 13 हजार फेरे लगाएंगी।

बाकी 2% लोग हवाई यात्रा के जरिए महाकुंभ में आने वाले हैं।

सोर्स: महाकुंभ ऑफिसर्स का अनुमान

25 शहरों से फ्लाइट प्रयागराज आएगी

1. इस वक्त प्रयागराज से 9 शहरों की फ्लाइट सेवा उपलब्ध है। इनमें दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, रायपुर, बेंगलुरु, कोलकाता से सीधी फ्लाइट आती और जाती हैं।
2. अहमदाबाद, भोपाल, चेन्नई की फ्लाइट क्रमशः लखनऊ, रायपुर, बेंगलुरु से होते हुए आती है।
3. कुंभ के लिए कुल 25 शहरों को प्रयागराज एयरपोर्ट से जोड़ा जा रहा है। इनमें जयपुर, जम्मू, गुवाहाटी, नागपुर, पुणे, देहरादून, इंदौर, पटना जैसे शहर शामिल हैं।
4. पहले प्रयागराज में दिन में ही फ्लाइट आती थी, लेकिन कुंभ के चलते यहां के टर्मिनल का विस्तार हुआ और उसे हाईटेक किया गया है। अब रात में भी फ्लाइट यहां से उड़ान भरेगी।
5. अगर आप फ्लाइट के जरिए आने की सोच रहे हैं तो टिकट 15 से 20 दिन पहले ही लेना ठीक होगा, क्योंकि इस बात की बहुत संभावना है कि तत्काल में टिकट न मिल पाए।

के दौरान अनारक्षित मेला विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

उत्तर मध्य रेलवे द्वारा मेले में आने वाले अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये **मुख्य स्नान पर्व पौष पूर्णिमा दिनांक 13.01.2025** को 61 मेला विशेष रेलगाड़ी की योजना की गयी है, जिसमें से छोटी दूरी की 14 मेला विशेष रेलगाड़ियाँ समय सारणीबद्ध हैं। शेष मेला विशेष रेलगाड़ियों का संचालन आवश्यकतानुसार किया जायेगा। समय सारणीबद्ध 14 मेला विशेष रेलगाड़ियों का विवरण निम्नवत् हैः-

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान का समय	स्टेशन तक	आगमन का समय	संचालन की तिथि (दिन)	मार्ग के अन्य स्टेशनों पर ठहराव
प्रयागराज जं. से कानपुर सेंट्रल की ओर जाने वाली मेला विशेष रेलगाड़ियाँ						
00101	प्रयागराज जं.	05:00	कानपुर सेंट्रल	10:15	13.01.2025 (सोमवार)	सूबेदारगंज, भरवारी, सिराथू, खागा, फ़तेहपुर एवं बिंदकी रोड
00102	प्रयागराज जं.	19:50	कानपुर सेंट्रल	01:25		
00103	प्रयागराज जं.	21:30	कानपुर सेंट्रल	02:40		
प्रयागराज जं./प्रयागराज छिवकी से पं. दीन दयाल उपाध्याय जं. की ओर जाने वाली मेला विशेष रेलगाड़ियाँ						
00201	प्रयागराज जं.	05:00	पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.	08:30	13.01.2025 (सोमवार)	नैनी जं., मेजा रोड, मांडा रोड, विंध्याचल, मिर्ज़ापुर एवं चुनार जं.
00202	प्रयागराज जं.	15:30	पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.	20:45		
00203	प्रयागराज जं.	18:00	पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.	23:45		
00401	प्रयागराज छिवकी	20:30	पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.	03:30		मेजा रोड, मांडा रोड, विंध्याचल, मिर्ज़ापुर एवं चुनार जं.
प्रयागराज जं./प्रयागराज छिवकी/नैनी जं. से वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी/बाँदा/चित्रकूट धाम कर्वी की ओर जाने वाली मेला विशेष रेलगाड़ियाँ						
00302	प्रयागराज जं.	13:30	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	01:00	13.01.2025 (सोमवार)	नैनी जं., शंकरगढ़, बरगढ़, डभौरा, मानिकपुर जं., चित्रकूट धाम कर्वी, अतर्रा, बांदा जं., महोबा, कुलपहाड़, हरपालपुर, मऊरानीपुर, निवाड़ी एवं ओरछा
00501	प्रयागराज छिवकी	16:45	बांदा जं	22:45		शंकरगढ़, बरगढ़, डभौरा, मानिकपुर जं., चित्रकूट धाम कर्वी एवं अतर्रा
00601	नैनी जं.	18:00	चित्रकूट धाम कर्वी	22:15		शंकरगढ़, बरगढ़, डभौरा एवं मानिकपुर जं.
प्रयागराज जं./प्रयागराज छिवकी/नैनी जं. से सतना/कटनी की ओर जाने वाली मेला विशेष रेलगाड़ियाँ						
00301	प्रयागराज जं.	10:40	कटनी जं.	17:30	13.01.2025 (सोमवार)	नैनी जं., शंकरगढ़, बरगढ़, डभौरा, मानिकपुर जं., टिकरिया, मझगवां, जैतवार, सतना, मैहर एवं झुकेही
00303	प्रयागराज जं.	20:15	कटनी जं.	04:00		
00502	प्रयागराज छिवकी	20:55	कटनी जं.	04:30		शंकरगढ़, बरगढ़, डभौरा, मानिकपुर जं., टिकरिया, मझगवां, जैतवार, सतना, मैहर एवं झुकेही
00602	नैनी जं.	21:00	सतना	03:30		शंकरगढ़, बरगढ़, डभौरा, मानिकपुर जं., टिकरिया, मझगवां एवं जैतवार

नोटः- रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139, एनटीईएस ऐप एवं रेल मदद वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं0 1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 62/25(A)

धर्म का महापर्व महाकुंभ 2025 : आज से प्रयागराज ही सनातन का 'शक्ति–केंद्र', अगले 45 दिन हर रोज लाखों मंत्र जाप और आहुतियां

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में संगम तट सोमवार से 45 दिन के लिए सनातन का सबसे बड़ा 'शक्ति–केंद्र' बनने जा रहा है। जैसे गंगा–यमुना और अदृश्य सरस्वती की धाराएं हजारों किमी की यात्रा करके प्रयाग में मिलती हैं।

वैसे ही सनातन आस्था के प्रतीक– चारों शंकराचार्य, शैव–वैष्णव, उदासीन सहित सभी अखाड़ों के महामंडलेश्वर, सभी परंपराओं के जगद् गुरु, सिद्ध योगी और संत–महंत पौष पूर्णिमा (13 जनवरी) से महाशिवरात्रि (26 फरवरी) तक संगम किनारे विराजमान होंगे।

चारों धाम, सात पुरियों सहित सभी प्रमुख तीर्थों के प्रतिनिधि और उत्सव मूर्तियां, प्राचीन व आधुनिक मत–संप्रदायों की विभूतियां एक स्थान पर दर्शन देंगी। इनका कठिन तप, लाखों मंत्र पाठ, जप–कीर्तन और यज्ञ आहुतियां त्रिवेणी तट को सनातन का शक्ति–केंद्र बनाएंगी।

प्रयाग में खुद ब्रह्मा जी ने यज्ञ करके सृष्टि का सृजन किया

प्रयाग वही दिव्य स्थान है जहां खुद ब्रह्मा जी ने यज्ञ करके सृष्टि का सृजन किया। सूर्य के मकर राशि में प्रवेश से बनने वाले सुयोग में अमृत–आचमन की आकांक्षा लिए देश–दुनिया के करोड़ों तीर्थयात्री प्रयागराज आते हैं।

अमृत लाभ का यह संकल्प इस व्यसन मुक्ति, तीन बार स्नान, एक बार भोजन और भूमि शयन। कल्पवास जीवन–मृत्यु के चक्र से मुक्ति का मार्ग है।

महत्व : प्रयागराज जाएं तो एक साध्थ विश्व के समस्त संतों के

महापर्व को सनातन ही नहीं, दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन बनाता है।

प्रयागराज, भारतीय संस्कृति, सनातन के अद्वितीय सिद्धांतों और शक्तियों का केंद्र है। यहां नदियों के साथ ही ईश्वर साधना का अद्वितीय संगम है, जो मानवता को एकता, शांति और भाईचारे का संदेश देता है।

एक माह कल्पवासरू 3 बार स्नान, एक बार भोजन, शयन जमीन पर हजारों लोग माघ में संगम किनारे कल्पवास करते हैं। कल्पवास– 'कल्प' यानी निश्चित समय और 'वास' निवास। पद्म पुराण में इसके लिए 21 नियम हैं।

इनमें प्रमुख हैं– सच बोलना, अहिंसा, संयम, सभी प्राणियों पर दया, दर्शन का पुण्य मिल जाएगा संत प्रेमानंद महाराज ने कहा, अलग–अलग जाकर संत दर्शन करें तो, जीवन बीत जाएगा, इतने संतों का दर्शन नहीं हो पाएगा। अगर प्रयाग जाएं तो एक साथ विश्व के समस्त संतों का दर्शन लाभ मिलेगा। भगवत् तत्व के ज्ञाता महापुरुषों की वाणी सुनेंगे।

कहा गया है– तीरथपति पुनि देखु प्रयागा। निरखत जन्म कोटि अघ भागा

यानी, तीर्थराज प्रयाग, जिसके दर्शन से करोड़ों जन्मों के पाप भाग जाते हैं।

40 करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों के आने का अनुमान

यूपी सरकार ने दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक समागम के लिए 'महाकुम्भ क्षेत्र' को 76वां अस्थायी जिला बनाया है। 40 वर्ग किमी में फैले मेला क्षेत्र में 40 करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों के आने का अनुमान है।

केंद्र और यूपी सरकार ने इसके लिए 6,382 करोड़ रु. का बजट रखा है। इलाहाबाद का नाम प्रयागराज होने के बाद पहले कुम्भ में जिले के बाहरी हिस्से से संगम तक सात लेयर की सुरक्षा व्यवस्था है।

मेले में 56 थाने, 60 फायर स्टेशन और तीन महिला थाने बनाए गए हैं। 37 हजार पुलिसकर्मी, 14 हजार होमगार्ड सहित 50 हजार से ज्यादा सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं।

एनएसजी सहित केंद्रीय एजेंसियां भी तैनात हैं। 2700 सीसीटीवी कैमरा और 340 एआई से लैस कैमरे 24 घंटे मेले की निगरानी करेंगे। सुरक्षित स्नान के लिए 25 हाईटेक जेट स्की जल पुलिस को दी गई हैं। 30 अस्थायी पांटून पुल, 2.69 लाख चकर्ड प्लेट से 650 किमी सड़क बनी है।

10 वकीलों के खिलाफ अवमानना कार्रवाई खत्म

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक घटना के संबंध में दो वकीलों को छोड़कर शेष को राहत दे दी। प्रयागराज दीवानी अदालत में 29 अप्रैल 2024 की घटना पर सिविल जज सीनियर डिवीजन की रिपोर्ट पर कायम आपराधिक अवमानना मामले में मुख्य दो अधिवक्ताओं रणविजय सिंह व मोहम्मद आसिफ के अलावा अन्य सभी अधिवक्ताओं को अवमानना कार्यवाही से बरी कर दिया है। कोर्ट ने कहा–दस अधिवक्ताओं को नोटिस जारी की गई थी। किसी के खिलाफ घटना में शामिल होने का कोई साक्ष्य नहीं दिया गया। कुछ तो शादी समारोह या अन्य निजी काम में शहर से बाहर थे। दो संजीव सिंह व ऋतेश श्रीवास्तव हाईकोर्ट के अधिवक्ता है। सीसीटीवी फुटेज व पीठासीन अधिकारी की रिपोर्ट में दो अधिवक्ताओं रणविजय सिंह व मोहम्मद आसिफ की ही पहचान की गई है। पुलिस केस में चार्जशीट दायर की गई है। कोर्ट ने संज्ञान भी ले लिया है। ऐसे में दो को छोड़कर अन्य को अवमानना कार्यवाही से अवमुक्त कर दिया गया है। मामले की अगली सुनवाई 23 जनवरी को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति एसडी सिंह तथा न्यायमूर्ति गौतम चौधरी की खंडपीठ ने आपराधिक अवमानना मामले की सुनवाई करते हुए दिया है। शुरुआत में दो वकीलों रणविजय सिंह व मोहम्मद आसिफ के खिलाफ अवमानना नोटिस दी गई थी। बाद में जिला जज की रिपोर्ट पर दस वकीलों को नोटिस जारी की गई। कुछ को गलत नोटिस चली गई थी। उन्होंने आपत्ति भी की। बार एसोसिएशन अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद मिश्र रज्जू के बयान पर यह कार्रवाई की गई थी। बाद में वे मुकर गये। कहा–लोगों के बताने पर नाम लिया था। हलफनामा भी दाखिल किया। जिस पर दस अधिवक्ताओं के खिलाफ दस महीने से चल रही अवमानना कार्यवाही समाप्त कर दी गई है।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. **UPHIN/2007/22706** रजि.नं. **AD-32/2008-09** ईमेलः **amritkt.alld@gmail.com** फोन नं. : **9453273951, 8799627062**

उत्तर प्रदेश सरकार

विश्व के सबसे बड़े
आध्यात्मिक-सांस्कृतिक समागम

||सर्वसिद्धिप्रदः कुम्भः||
महाकुम्भ प्रयागराज 2025

दिव्य-भव्य-डिजिटल
एकता का महाकुम्भ

सनातन गर्व
महाकुम्भ पर्व
(13 जनवरी से 26 फरवरी)

का

शंखनाद

प्रथम स्नान
पौष पूर्णिमा - 13 जनवरी, 2025

महाकुम्भ 2025 प्रयागराज

एकता का महाकुम्भ

आकस्मिक सेवाएं | मेला प्रशासन | आवास एवं आहार | लोककल्याणकारी सरकार

कुम्भ सहायक चैटबॉट हेतु QR कोड स्कैन करें

कुम्भ सहायक
वाट्सऐप नं. 8887847135
पर 'नमस्ते' भेजें

स्वस्थ महाकुम्भ

सरकारी/प्राइवेट अस्पतालों में 6,000 बेड

मेला क्षेत्र में 43 अस्पताल

125 रोड एम्बुलेंस, 7 रिवर एम्बुलेंस एवं 1 एयर एम्बुलेंस

24X7 एम्स स्तरीय चिकित्सकीय सुविधा

स्वच्छ महाकुम्भ

850 समूहों में 10,200 स्वच्छताकर्मी तैनात

स्वच्छता निगरानी के लिए 1,800 गंगा सेवादूत

1,50,000 शौचालय की सुविधा

25,000 लाइनर बैगयुक्त डस्टबिन
300 सक्शन गाड़ियां

सुगम महाकुम्भ

प्रयागराज एयरपोर्ट पर नया टर्मिनल

7,000+ कुम्भ स्पेशल बसें
550 शटल बसें

5,000 ई-रिक्शा

13,000+ ट्रेन

3,000 स्पेशल ट्रेन

9 रेलवे स्टेशनों का नवीनीकरण

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

mahakumbh_25/ upmahakumbh MahaKumbh_2025 https://kumbh.gov.in/